MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY: UDAIPUR

SYLLABUS

OF

RAJASTHANI

Based on National Education Policy 2020

FACULTY OF HUMANITIES

Master of Arts

2023-24 onwards

Level	Sem.	Course Type	Course Code	Course Title	Delivery Type			Total Hours	Credit	Internal Assessment	EoS Exam	M.M.	Remarks
					L	T	P						
8	I	DCC	RAJ8000T	राजस्थानी भाषा का उद्भव एवं विकास	L	T		60	4	20	80	100	
			RAJ8001T	राजस्थानी साहित्य : प्रारम्भ काल, पूर्व मध्यकाल एवं उत्तर मध्यकाल	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ8002T	प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ8003T	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ8004T	राजस्थानी कथा साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ8005T	राजस्थानी लोक साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
	II	DCC	RAJ8006T	आधुनिक कथेत्तर गद्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ8007T	आधुनिक काव्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ8008T	राजस्थानी काव्यशास्त्र	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ8009T	आधुनिक राजस्थानी साहित्य : गद्य विधाएं	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ8010T	आधुनिक राजस्थानी साहित्य : पद्य विधाएं	L	T	- -	60	4	20	80	100	
		GEC	RAJ8100T	राजस्थानी साहित्य के विविध रूप	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ8101T	राजस्थानी संस्कृति एवं परम्पराएं	L	T	-	60	4	20	80	100	
9	III	DCC	RAJ9011T	राजस्थानी काव्य शैली	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ 9012T	राजस्थानी वीर काव्य	L	T	-	60	2	20	80	100	
		DSE-I	RAJ9102T	राजस्थानी साहित्य के विशिष्ट साहित्यकारः चतुरसिंह	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ9103T	राजस्थानी साहित्य के विशिष्ट साहित्यकारः रामसिंह सोलंकी	L	T		60	4	20	80	100	
		DSE-II	RAJ9104T	राजस्थानी साहित्य के विशिष्ट साहित्यकार : शिवचन्द्र भरतिया	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ9105T	राजस्थानी साहित्य के विशिष्ट साहित्यकारः मुरलीधर व्यास	L	T		60	4	20	80	100	
		DSE-III	RAJ9106T	राजस्थानी भक्ति काव्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ9107T	पाठालोचन	L	T		60	4	20	80	100	
		GEC	RAJ9108T	राजस्थानी समाज एवं संस्कृति	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ9109T	राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत	L	T		60	4	20	80	100	
	IV	DCC	RAJ9013T	संत साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ9110T	भाषा विज्ञान	L	T	-	60	4	20	80	100	

		DSE IV	RAJ9111T	प्राचीन पद्य साहित्य की विधाएं	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-V	RAJ9112T	काव्यशास्त्र	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ9113T	प्राचीन गद्य साहित्य की विधाएं	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-VI	RAJ9114T	राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेखन	L	T	-	60	4	20	80	100	
			RAJ9115T	राजस्थानी भाषा का व्याकरण	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-VII	RAJ9116S	सर्वेक्षण एवं विस्तृत रपट	-	-	P	120	4	20	80	100	
			RAJ9117S	पाण्डुलिपि सम्पादन	-	-	P	120	4	20	80	100	
			RAJ9118T	राजस्थानी वात साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-VIII	RAJ9119S	राजस्थानी के प्रमुख रचनाकारों पर प्रोजेक्ट वर्क	-	-	P	120	4	20	80	100	
			RAJ9120S	लघु शोध प्रबन्ध	-	-	P	120	4	20	80	100	
			RAJ9121T	राजस्थानी लोक संस्कृति एवं लोकदेवी–देवता	L	T	-	60	4	20	80	100	

राजस्थानी साहित्य का यह पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान परम्परा से सीधे सम्बन्धित है

An information regarding codes:

DCC extends for Discipline Centric Core Course

DSE extends for Discipline Specific Elective Course.

Generic Course is an open Elective for all the discipline.

नोट :– 1. Semester IV - DSE-VII- RAJ9116S सर्वेक्षण एवं विस्तृत रपट, RAJ9117S पाण्डुलिपि सम्पादन, DSE-VIII- RAJ9119S राजस्थानी के प्रमुख रचनाकारों पर प्रोजेक्ट वर्क, RAJ9120S लघु शोध प्रबन्ध प्रश्न पत्रों का चयन नियमित छात्र ही कर सकेंगे। सभी प्रश्नपत्रों एवं उत्तर का माध्यम मायड भाषा राजस्थानी में ही देना अनिवार्य है।

2. Semester III एवं Semester IV के DSE Group में से कोई एक पेपर का चुनाव करना है।

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- I	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ8000T**
Title of the Course	**राजस्थानी भाषा का उद्‌भव एवं विकास**
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.0
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	Graduation in any Discipline
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी भाषा के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी राजस्थानी भाषा के विषय का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें एवं अपने राजस्थानी भाषा कौशल को विकसित करेंगे।
SYLLABUS	
UNIT-I	राजस्थानी भाषा का उद्‌भव और विकास। 12 घंटे
UNIT -II	राजस्थानी भाषा की प्रमुख बोलियॉ एवं क्षेत्र। 12 घंटे
UNIT-III	राजस्थानी भाषा की व्याकरणिक विशेषताएँ। 12 घंटे
UNIT-IV	राजस्थानी भाषा के संज्ञा एवं क्रिया रूप। 12 घंटे
UNIT-V	राजस्थानी भाषा के अव्यय एवं परसर्गों का विकास। 12 घंटे
Text Books	1.राजस्थानी भाषा और उसकी बोलियॉ – सम्पादक : डॉ. देव कोठारी, प्र.साहित्य संस्थान, उदयपुर 2.राजस्थानी व्याकरण–सीताराम लालस, प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार,जोधपुर 3.राजस्थानी भाषा : भाषा–वैज्ञानिक अध्ययन –डॉ.मनमोहन स्वरूप माथुर, प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- I	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ8001T**
Title of the Course	राजस्थानी साहित्यःप्रारम्भ काल, पूर्व मध्यकाल एवं उत्तर मध्यकाल
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.0
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	Graduation in any Discipline
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी साहित्य के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी राजस्थानी साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें एवं अपने राजस्थानी साहित्य के इतिहास एवं भाषा कौशल को विकसित करेंगे।
SYLLABUS	
UNIT-I	प्रारम्भ कालः (कृतिकार एवं कृतियॉ) 12 घंटे
UNIT -II	पूर्वमध्यकालः(कृतिकार एवं कृतियॉ) 12 घंटे
UNIT-III	प्रारम्भ काल एवं पूर्वमध्यकालः(प्रवृतिगत कृतियों की विशेषताऍ) 12 घंटे
UNIT-IV	उत्तर मध्यकालः(कृतिकार एवं कृतियॉ) 12 घंटे
UNIT-V	उत्तर मध्यकालः(प्रवृतिगत कृतियों की विशेषताऍ) 12 घंटे
Text Books	1. राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ. मोतीलाल मेनारिया. प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार,जोधपुर 2. राजस्थानी साहित्य रो इतिहास– बी.एल.माली 'अशांत' प्र. राजस्थानी भवन फाउण्डेशन, जयपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- I	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ8002T**
Title of the Course	प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.0
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	Graduation in any Discipline
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी साहित्य प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी राजस्थानी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें एवं अपने राजस्थानी साहित्य के इतिहास एवं भाषा कौशल को विकसित करेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	अचल दास खींची री वचनिका से व्याख्या। 12 घंटे
UNIT -II	मुहणौत नैणसी री ख्यात भाग:3 (ख्यात संख्या–23 से 30) में से व्याख्या। 12 घंटे
UNIT-III	अचल दास खींची री वचनिका से आलोचनात्मक प्रश्न। 12 घंटे
UNIT-IV	मुहणौत नैणसी री ख्यात भाग:3 (ख्यात संख्या–23 से 30) से आलोचनात्मक प्रश्न। 12 घंटे
UNIT-V	प्राचीन गदय रूप (वात, ख्यात, वचनिका, दवावैत) 12 घंटे
Text Books	1.अचल दास खींची री वचनिका : सम्पादक –भूपतिराम साकरिया 2.मुहणौत नैणसी री ख्यात भाग:3 (ख्यात संख्या–23 से 30) – सम्पादक बद्रीप्रसाद साकरिया प्र.राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर 3. प्राचीन काव्यों की रूप परम्परा– अगरचन्द नाहटा, प्र. भारतीय विद्या शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- I	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ8003T**
Title of the Course	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.0
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	Graduation in any Discipline
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी साहित्य प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य रुप के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी राजस्थानी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य रूप ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें एवं अपने राजस्थानी साहित्य के इतिहास एवं भाषा कौशल को विकसित करेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	ढोला मारू रा दूहा से व्याख्या। प्रारम्भ के 150 दोहें। 12 घंटे
UNIT -II	क्रिसन रूकमणी री वेलि से व्याख्या। प्रारम्भ के 100 पद। 12 घंटे
UNIT-III	ढोला मारू रा दूहा से आलोचनात्मक प्रश्न। 12 घंटे
UNIT-IV	क्रिसन रुकमणी री वेलि से आलोचनात्मक प्रश्न। 12 घंटे
UNIT-V	प्राचीन काव्य रूप (रास, रासो, वेलि, पवाडा, नीसाणी, सिलोका, गीत) 12 घंटे
Text Books	1.ढोला मारू रा दूहा : सम्पादक – नरोत्तम दास स्वामी, सूर्यकरण पारीक, रामसिंह वितरक–राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 2. क्रिसन रुकमणी री वेलि – सम्पादक नरोत्तमदास स्वामी,प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार,जोधपुर साकरिया प्र.राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर 3. प्राचीन काव्यों की रुप परम्परा– अगरचन्द नाहटा, प्र. भारतीय विद्या शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- I	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ8004T**
Title of the Course	राजस्थानी कथा साहित्य
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.0
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	Graduation in any Discipline
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी कथा साहित्य के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी राजस्थानी कथा साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें एवं अपने राजस्थानी साहित्य के इतिहास एवं भाषा कौशल को विकसित करेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	विजयदांन देथा री सिरै कथावां से व्याख्या। 12 घंटे
UNIT -II	कै रे चकवा बात से व्याख्या। 12 घंटे
UNIT-III	विजयदांन देथा री सिरै कथावां से आलोचनात्मक प्रश्न। 12 घंटे
UNIT-IV	कै रे चकवा बात से आलोचनात्मक प्रश्न। 12 घंटे
UNIT-V	आधुनिक कहानी साहित्य। 12 घंटे
Text Books	1विजयदांन देथा री सिरै कथावां : विजयदांन देथा, प्र नेशनल बुक ट्रस्ट,इंडिया, ए5,ग्रीन पार्क नई दिल्ली 2. कै रे चकवा बातः लक्ष्मी कुमारी चुंडावत, प्र. राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 3.आधुनिक राजस्थानी कहानी साहित्यः डॉ. लोकेश राठौड़, प्र. चिराग प्रकाशन, उदयपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- I	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ8005T**
Title of the Course	राजस्थानी लोक साहित्य
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.0
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	Graduation in any Discipline
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी लोक साहित्य के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी राजस्थानी लोक साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें एवं राजस्थानी लोक साहित्य के विकास एवं संरक्षण में अपनी महत्ती भूमिका निभायेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	लोक साहित्य की अवधारणा और क्षेत्र 12 घंटे
UNIT -II	राजस्थान की लोक कथाएँ 12 घंटे
UNIT-III	राजस्थान के लोक गीत 12 घंटे
UNIT-IV	राजस्थान की लोक गाथाएँ 12 घंटे
UNIT-V	राजस्थानी लोकोक्तियॉ, पहेलियॉ, मुहावरें, कहावतें 12 घंटे
Text Books	1.राजस्थानी लोक साहित्यः नानू राम संस्कर्ता प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार,जोधपुर 2.राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्वान्तिक विवेचनः डॉ. सोहनदास चारण,प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार,जोधपुर 3.राजस्थानी लोक संस्कृति एवं लोक देवी–देवता : डॉ. सुरेश सालवी, प्र.हिमांशु पब्लिकेशन्स, उदयपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- II	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ8006T**
Title of the Course	आधुनिक कथेत्तर गद्य
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.0
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	Graduation in any Discipline
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को आधुनिक कथेत्तर गद्य के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी आधुनिक कथेत्तर गद्य का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें एवं आधुनिक कथेत्तर गद्य के विकास की समझ विकसित कर कथेत्तर गद्य मे अपनी रचना का मार्ग प्रशस्त करेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	ओळूं री अखियातां से व्याख्या। 12 घंटे
UNIT -II	धरम जुद्ध नाटक से व्याख्या। 12 घंटे
UNIT-III	ओळूं री अखियातां से आलोचनात्मक प्रश्न। 12 घंटे
UNIT-IV	धरम जुद्ध से आलोचनात्मक प्रश्न। 12 घंटे
UNIT-V	आधुनिक राजस्थानी रेखाचित्र संस्मरण एवं नाटक साहित्य। 12 घंटे
Text Books	1. ओळूं री अखियातां राजस्थानी संस्मरण–डॉ.नेमनारायणा जोशी,प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 2. धरम जुद्ध–अर्जुन देव चारण प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार,जोधपुर 3. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा स्त्रोत और प्रवृत्तियॉः डॉ किरण नाहटा, प्र. नाहटा प्रकाशन कालू बीकानेर विक्रेता–चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- II	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ8007T**
Title of the Course	आधुनिक काव्य
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.0
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	Graduation in any Discipline.
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को आधुनिक काव्य के अन्तर्गत वीर काव्य एवं प्रगतिशील काव्य के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी आधुनिक काव्य के अन्तर्गत वीर काव्य एवं प्रगतिशील काव्य ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। आधुनिक काव्य के अन्तर्गत वीर काव्य एवं प्रगतिशील काव्य के विकास की समझ विकसित कर अपनी रचना का मार्ग प्रशस्त करेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	वीर सतसई (सूर्यमल मिश्रण कृत) से व्याख्या। 12 घंटे
UNIT -II	चेत मानखा : रेवत दान चारण कल्पित से व्याख्या। 12 घंटे
UNIT-III	वीर सतसई (सूर्यमल मिश्रण कृत) से आलोचनात्मक प्रश्न। 12 घंटे
UNIT-IV	चेत मानखा : रेवत दान चारण कल्पित से आलोचनात्मक प्रश्न। 12 घंटे
UNIT-V	आधुनिक राजस्थानी वीर काव्य एवं प्रगतिशील काव्य। 12 घंटे
Text Books	1 वीर सतसई (सूर्यमल मिश्रण कृत) सं.नरोत्तमदास स्वामी,नरेन्द्र भानावत,लक्ष्मी कमल,प्र. राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 2. चेत मानखा : रेंवत दान चारण कल्पित, प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार,जोधपुर 3. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा स्त्रोत और प्रवृत्तियॉः डॉ किरण नाहटा, प्र. नाहटा प्रकाशन कालू बीकानेर विक्रेता–चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- II	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ8008T**
Title of the Course	राजस्थानी काव्यशास्त्र
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.0
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	Graduation in any Discipline.
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी काव्य शास्त्र के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी आधुनिक काव्य के अन्तर्गत राजस्थानी काव्य शास्त्र का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। राजस्थानी काव्य शास्त्र में रचना का मार्ग प्रशस्त करेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	राजस्थानी काव्यशास्त्र के ग्रन्थों का परिचय एवं छंद। 12 घंटे
UNIT -II	अलंकार। 12 घंटे
UNIT-III	काव्य जथा। 12 घंटे
UNIT-IV	काव्योक्ति। 12 घंटे
UNIT-V	काव्यदोष। 12 घंटे
Text Books	1 रघुवरजस प्रकाश : चारण किसनाजी आढ़ा विरचित,प्र.राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान,जोधपुर 2.मंसाराम सेवग कृत रघुनाथरुपक गीतां रो सं.चन्द्रदान चारण, प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार,जोधपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- II	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ8009T**
Title of the Course	आधुनिक राजस्थानी साहित्यः गद्य विधाएं
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.0
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	Graduation in any Discipline.
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाओं के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी आधुनिक काव्य के अन्तर्गत आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाओं ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाओं के विकास की समझ विकसित कर अपनी रचना का मार्ग प्रशस्त करेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य का सामान्य परिचय एवं उपन्यास साहित्य। 12 घंटे
UNIT -II	कहानी साहित्य। 12 घंटे
UNIT-III	नाटक साहित्य एवं एकांकी साहित्य 12 घंटे
UNIT-IV	निबन्ध साहित्य। 12 घंटे
UNIT-V	रेखाचित्र एवं संस्मरण साहित्य। गद्य काव्य। 12 घंटे
Text Books	1 आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा स्त्रोत और प्रवृत्तियॉः डॉ किरण नाहटा, प्र. नाहटा प्रकाशन कालू बीकानेर विक्रेता–चिन्मय प्रकाशन, जयपुर 2. राजस्थानी साहित्य रो इतिहास–बी.एल.माली 'अशांत',प्र. राजस्थानी भवन फाउण्डेशन, जयपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- II	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ8010T**
Title of the Course	आधुनिक राजस्थानी साहित्यः पद्य विधाएं
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.0
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	Graduation in any Discipline.
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को आधुनिक राजस्थानी पद्य विधाओं के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी आधुनिक काव्य के अन्तर्गत आधुनिक राजस्थानी पद्य विधाओं का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। आधुनिक राजस्थानी पद्य विधाओं के विकास की समझ विकसित कर अपनी रचना का मार्ग प्रशस्त करेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य का सामान्य परिचय एवं प्रकृति काव्य। 12 घंटे
UNIT -II	प्रगतिशील काव्य एवं गीति काव्य। 12 घंटे
UNIT-III	वीर, प्रशस्ति काव्य एवं हास्य,व्यंग्य काव्य। 12 घंटे
UNIT-IV	भक्ति काव्य एवं नीति काव्य। 12 घंटे
UNIT-V	नयी कविता एवं पद्य कथाएँ। 12 घंटे
Text Books	1 आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा स्त्रोत और प्रवृत्तियॉः डॉ किरण नाहटा, प्र. नाहटा प्रकाशन कालू बीकानेर विक्रेता–चिन्मय प्रकाशन, जयपुर 2.राजस्थानी साहित्य रो इतिहास–बी.एल.माली 'अशांत',प्र. राजस्थानी भवन फाउण्डेशन, जयपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- II	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ8100T**
Title of the Course	राजस्थानी साहित्य के विविध रुप
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.0
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Generic Elective Course (GEC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	Graduation in any Discipline.
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी राजस्थाानी साहित्य के विविध रूपों के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी राजस्थानी साहित्य के विविध रुपों का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। राजस्थानी साहित्य की समृद्ध परंपरा से समाज को अवगत करायेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	जैन साहित्य। 12 घंटे
UNIT -II	चारण साहित्य। 12 घंटे
UNIT-III	पौराणिक एवं धार्मिक साहित्य। 12 घंटे
UNIT-IV	संत साहित्य। 12 घंटे
UNIT-V	लौकिक साहित्य। 12 घंटे
Text Books	1 राजस्थानी भाषा और साहित्य–डॉ. मोतीलाल मेनारिया, प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 2.राजस्थानी साहित्य रो इतिहास–बी.एल.माली 'अशांत',प्र. राजस्थानी भवन फाउण्डेशन, जयपुर 3.राजस्थानी भाषा और साहित्य– हीरालाल माहेश्वरी
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- II	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ8101T**
Title of the Course	राजस्थानी संस्कृति एवं परम्पराएं
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.0
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Generic Elective Course (GEC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	Graduation in any Discipline.
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी संस्कृति के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी आधुनिक काव्य के अन्तर्गत राजस्थानी संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। राजस्थानी संस्कृति के महत्व की समझ विकसित कर राजस्थानी भाषा, संस्कृति के संरक्षण में कार्य करेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	लोक संस्कृति–अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप। 12 घंटे
UNIT -II	राजस्थानी संस्कार एवं रीति–रिवाज। 12 घंटे
UNIT-III	राजस्थानी लोक देवी–देवता। 12 घंटे
UNIT-IV	लोक नृत्य,लोक विश्वास एवं सगुन परम्परा। 12 घंटे
UNIT-V	तीज–त्यौहार एवं मेले। 12 घंटे
Text Books	1 राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति एक समग्र अवलोकन तृतीय संस्करण–हरदान हर्ष, प्र. आशीर्वाद पब्लिकेशन्स, जयपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- III	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9011T**
Title of the Course	राजस्थानी काव्य शैलियां
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी काव्य शैलियों के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी आधुनिक काव्य के अन्तर्गत राजस्थानी काव्य शैलियों का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। राजस्थानी राजस्थानी काव्य शैलियों के महत्व की समझ विकसित कर राजस्थानी भाषा, संस्कृति के संरक्षण में कार्य करेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	डिंगल शैली का सामान्य परिचय एवं विशेषताएं। 12 घंटे
UNIT -II	पिंगल शैली का सामान्य परिचय एवं विशेषताएं। 12 घंटे
UNIT-III	प्रारम्भ काल एवं मध्यकाल के डिंगल काव्य । 12 घंटे
UNIT-IV	प्रारम्भ काल एवं मध्यकाल के पिंगल काव्य । 12 घंटे
UNIT-V	उत्तर मध्यकाल के डिंगल एवं पिंगल काव्य। 12 घंटे
Text Books	1 राजस्थानी भाषा और साहित्य–डॉ. मोतीलाल मेनारिया, प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 2.राजस्थानी साहित्य रो इतिहास–बी.एल.माली 'अशांत',प्र. राजस्थानी भवन फाउण्डेशन, जयपुर 3.डिंगल में वीर रस–डॉ. मोतीलाल मेनारिया, प्र. राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 4.राजस्थान का पिंगल साहित्य–डॉ.मोतीलाल मेनारिया,प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार,जोधपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- III	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9012T**
Title of the Course	राजस्थानी वीर काव्य
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी वीर काव्य के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी वीर काव्य का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ कर पाएगें। वीर काव्यों से अपनी वीर संस्कृति का बखान कर पायेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	हाला–झाला रा कुण्ड़लिया व्याख्या। 12 घंटे
UNIT -II	रणमल छंद से व्याख्या। 12 घंटे
UNIT-III	हाला–झाला रा कुण्ड़लिया से आलोचनात्मक प्रश्न। 12 घंटे
UNIT-IV	रणमल छंद से आलोचनात्मक प्रश्न। 12 घंटे
UNIT-V	वीर काव्य का इतिहास एवं आधुनिक वीर काव्य। 12 घंटे
Text Books	1.हाला–झाला रा कुण्ड़लिया –ईसरदास, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 2.रणमल छंद–श्रीधर व्यास, सं. मूलचंद प्राणेश प्र. राजस्थानी ग्रन्थागार , जोधपुर 3.राजस्थानी भाषा और साहित्य–हीरालाल माहेश्वरी 4.आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा स्त्रोत और प्रवृत्तियॉः डॉ किरण नाहटा, प्र. नाहटा प्रकाशन कालू बीकानेर विक्रेता–चिन्मय प्रकाशन, जयपुर 5.राजस्थानी साहित्य रो इतिहास–बी.एल. माली 'अशांत' प्र. राजस्थानी भवन फाउण्डेशन,जयपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- III	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9102T**
Title of the Course	राजस्थानी साहित्य के विशिष्ट साहित्यकारः चतुरसिंह
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी साहित्य के लोक संत चतुरसिंह के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी साहित्य के लोक संत चतुरसिंह के साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। समाज हित में अपने नैतिक दायित्वों की समझ विकसित कर सकेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	बावजी चतुरसिंह का व्यक्तित्व। 12 घंटे
UNIT -II	बावजी चतुरसिंह का कृतित्व। 12 घंटे
UNIT-III	चतुर चिन्तामणी 12 घंटे
UNIT-IV	परमार्थ विचार । 12 घंटे
UNIT-V	श्रीमद् भगवत गीता । 12 घंटे
Text Books	1. चतुर चिन्तामणी – चतुरसिंह, प्र.महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन, उदयपुर 2.बावजी चतुरसिंह – कन्हैयालाल राजपुरोहित, प्र.साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- III	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9103T**
Title of the Course	राजस्थानी साहित्य के विशिष्ट साहित्यकारः रामसिंह सोलंकी
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी साहित्य के साहित्यकार रामसिंह सोलंकी के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी साहित्य के साहित्यकार रामसिंह सोलंकी के साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। स्वामीभक्ति, वीरता एवं त्याग के साथ राष्ट्रप्रेम के गुणों को आत्मसात कर सकेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	व्यक्तित्व एवं कृतित्व 12 घंटे
UNIT -II	जननायक प्रताप 12 घंटे
UNIT-III	चेटक 12 घंटे
UNIT-IV	पन्नाधाय 12 घंटे
UNIT-V	जननायक प्रताप, चेटक एवं पन्नाधाय काव्य से प्रश्न । 12 घंटे
Text Books	1. जननायक प्रताप – रामसिंह सोलंकी प्र. चिराग प्रकाशन, उदयपुर 2.चेटक – रामसिंह सोलंकी, प्र.चिराग प्रकाशन, उदयपुर 3.पन्नाधाय – रामसिंह सोलंकी, प्र. चिराग प्रकाशन, उदयपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- III	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9104T**
Title of the Course	राजस्थानी साहित्य के विशिष्ट साहित्यकार : शिवचन्द्र भरतिया
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी साहित्य के साहित्यकार शिवचन्द्र भरतिया के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी साहित्य के साहित्यकार शिवचन्द्र भरतिया के साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	व्यक्तित्व 12 घंटे
UNIT -II	साहित्य–साधना 12 घंटे
UNIT-III	रचनावां 12 घंटे
UNIT-IV	विचारधारा अर मान्यतावां 12 घंटे
UNIT-V	अेक प्रगतिशील विचारक अर साहित्य नै अवदान 12 घंटे
Text Books	1. शिवचन्द्र भरतिया – लक्ष्मीकांत व्यास, प्र. साहित्य अकादेमी, नुवी दिल्ली
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- III	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9105T**
Title of the Course	राजस्थानी साहित्य के विशिष्ट साहित्यकारः मुरलीधर व्यास
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी साहित्य के साहित्यकार मुरलीधर व्यास विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी साहित्य के साहित्यकार मुरलीधर व्यास के साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	व्यक्तित्व 12 घंटे
UNIT -II	कहाणी साहित्य 12 घंटे
UNIT-III	रेखाचितरांम की रचनाएं 12 घंटे
UNIT-IV	हास्य–व्यंग्य की रचनाएं 12 घंटे
UNIT-V	नाटक एवं संस्मरण रचनाएं 12 घंटे
Text Books	1. मुरलीधर व्यास ''राजस्थानी'' – भवानीशंकर व्यास ''विनोद'',साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)		
SEMESTER- III		
SUBJECT-RAJASTHANI		
Code of the Course	**RAJ9106T**	
Title of the Course	राजस्थानी भक्ति काव्य	
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5	
Credit of the course	4 credits	
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani	
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.	
Prerequisites	PG Diploma	
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts	
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी भक्ति काव्य के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।	
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी भक्ति काव्य का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। विधार्थी अपने जीवन को नैतिकता की ओर प्रेरित करेगें।	
SYLLABUS		
UNIT-I	हरिरस : ईसरदास के काव्य से व्याख्या। प्रारम्भ के 100 पद।	12 घंटे
UNIT -II	रामरतन माला : योगीवर्य गुमान सिंह के काव्य से व्याख्या।	12 घंटे
UNIT-III	हरिरस : ईसरदास काव्य से आलोचनात्मक प्रश्न।	12 घंटे
UNIT-IV	रामरतन माला : योगीवर्य गुमान सिंह काव्य से आलोचनात्मक प्रश्न।	12 घंटे
UNIT-V	भक्ति काव्य का इतिहास एवं आधुनिक भक्ति साहित्य।	12 घंटे
Text Books	1.हरिरस : ईसरदास, प्र. राजस्थानी ग्रन्थागार , जोधपुर 2.रामरतन माला : योगीवर्य गुमान सिंह,प्र.अंकुर प्रकाशक, उदयपुर 3.राजस्थानी भाषा और साहित्य–हीरालाल माहेश्वरी 4. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा स्त्रोत और प्रवृत्तियॉः डॉ किरण नाहटा, प्र. नाहटा प्रकाशन कालू बीकानेर विक्रेता–चिन्मय प्रकाशन, जयपुर	
Suggested E-resources	ePustakalay	

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- III	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9107T**
Title of the Course	पाठालोचन
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को पाठालोचन के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत पाठानुसंधान का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। विधार्थी राजस्थानी साहित्य के ग्रंथों के संपादन में अपनी समझ विकसित कर सकेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	पाठालोचन के सिद्धान्त। 12 घंटे
UNIT -II	पाठालोचन की प्रक्रिया। 12 घंटे
UNIT-III	पाठालोचक की अपेक्षित योग्यता एवं पाठालोचक के गुण 12 घंटे
UNIT-IV	पाठालोचन की सम्पादन पद्धतियॉ। (हरिनारायण पुरोहित एवं कन्हैयालाल सहल) 12 घंटे
UNIT-V	पाठालोचन की सम्पादन पद्धतियाँ (टैसीटरी, ठाकुर रामसिंह, सूर्यकरण पारीक,नरोत्तमदास स्वामी)। 12 घंटे
	1. पाठालोचन की भूमिका : डॉ. उदय नारायण तिवारी 2.पाण्डुलिपि विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- III	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9108T**
Title of the Course	राजस्थानी समाज एवं संस्कृति
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Generic Elective Course (GEC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी वीर काव्य के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी वीर काव्य का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	प्राचीन काल, मध्यकाल, उपनिवेशकाल और 1857 का राजस्थान में स्वाधीनता संग्राम, राजस्थान की रियासतें, राजस्थान का एकीकरण। 12 घंटे
UNIT -II	राजस्थान का भूगोल,क्षेत्र, वनस्पतियां, पहाड़, नदी, नाले, एवं पशुपक्षी। 12 घंटे
UNIT-III	खान–पान और वेश–भूषा। 12 घंटे
UNIT-IV	पर्व, व्रत–त्यौहार एवं उत्सव। 12 घंटे
UNIT-V	लोक नृत्य, मनोरंजन, खेलकूद, लोक तीर्थ, रीति रिवाज। 12 घंटे
Text Books	1 राजस्थान का इतिहास–बी.एल पानगड़िया,प्र. नेषनल पब्लिशिंग हाउस,जयपुर 2.राजस्थान का स्वाधीनता संग्राम– प्रकाश व्यास,प्र. पंचशील प्रकाशन,जयपुर 2राजस्थान के लोक नृत्य – डॉ. महेन्द्र भानावत 3राजस्थान का वृहद इतिहास – राम प्रसाद व्यास 4राजस्थान की पंरम्परा और संस्कृति – रानी लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत 5राजस्थानी लोक संस्कृति एवं लोक देवी–देवता – डॉ. सुरेश सालवी
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)

SEMESTER- III

SUBJECT-RAJASTHANI

Code of the Course	**RAJ9109T**
Title of the Course	राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Generic Elective Course (GEC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में अपनी भूमिका निभायेगे।
SYLLABUS	
UNIT-I	स्थापत्य कला। 12 घंटे
UNIT -II	मूर्तिकला। 12 घंटे
UNIT-III	चित्रकला। 12 घंटे
UNIT-IV	संगीत कला एवं लोक वाद्य। 12 घंटे
UNIT-V	नृत्य कला एवं लोक गायक। 12 घंटे
Text Books	1.राजस्थान के लोक नृत्य – डॉ. महेन्द्र भानावत 2.राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा–सं.डॉ.जयसिंह नीरज, डॉ. बी.एल शर्मा, प्र राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,जयपुर 3.राजस्थान की परंम्परा और संस्कृति – रानी लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत, प्र.राजस्थान ग्रन्थागार, जोधपुर 4.राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति एक समग्र अवलोकन तृतीय संस्करण– हरदान हर्ष, प्र. आशीर्वाद पब्लिकेशन्स, जयपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- IV	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9013T**
Title of the Course	संत साहित्य
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी संत साहित्य के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी संत साहित्य का का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। संत साहित्य के उपदेषों को अपने जीवन में उतार कर आदर्श समाज की स्थापना में अपनी भूमिका निभायेगे।
SYLLABUS	
UNIT-I	संत साहित्य दार्शनिक एवं धार्मिक पृष्ठभूमि एवं संत सम्प्रदाय। 12 घंटे
UNIT -II	दादू पंथ एवं साहित्य। 12 घंटे
UNIT-III	जसनाथी सम्प्रदाय एवं साहित्य,चरणदासी पंथ एवं साहित्य। 12 घंटे
UNIT-IV	विश्नोई सम्प्रदाय एवं साहित्य, रामस्नेही पंथ एवं साहित्य। 12 घंटे
UNIT-V	जैन सन्त सम्प्रदाय एवं साहित्य। 12 घंटे
Text Books	1. राजस्थानी भाषा और साहित्यः डॉ. मोतीलाल मेनारिया प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 2 राजस्थान का संत साहित्य– डॉ.वासुमती शर्मा, कमल किशोर सांखला प्र.राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान। 3जाम्भोजी भाषा और साहित्य : डॉ. हीरालाल माहेश्वरी। 6राजस्थान का जैन साहित्य–सं. अगरचन्द नाहटा, डॉ.कस्तूरचन्द कासलीवाल, डॉ. नरेन्द्र भानावत, डॉ. मूलचन्द सेठिया प्र. कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- IV	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9110T**
Title of the Course	भाषा विज्ञान
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को भाषा विज्ञान के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत भाषा विज्ञान का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। भाषा विज्ञान में अपनी योग्यता अर्जित करेंगे।
SYLLABUS	
UNIT-I	भाषा एवं लिपि की परिभाषा एवं विशेषताए। 12 घंटे
UNIT -II	भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं उसके अंग। 12 घंटे
UNIT-III	भारत यूरोपीय भाषा परिवार एवं राजस्थानी का स्थान। 12 घंटे
UNIT-IV	ध्वनिविज्ञान, अर्थविज्ञान। 12 घंटे
UNIT-V	रूप विज्ञान शब्दकोश। 12 घंटे
Text Books	1. भाषा विज्ञान : डॉ. भोला नाथ तिवारी, प्र. राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- IV	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9111T**
Title of the Course	प्राचीन पद्य साहित्य की विधाएं
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी पद्य साहित्य की विधाओं के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी पद्य साहित्य की विधाओं का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	रासो साहित्य। 12 घंटे
UNIT -II	प्रकास साहित्य। 12 घंटे
UNIT-III	विलास साहित्य। 12 घंटे
UNIT-IV	वेलि साहित्य। 12 घंटे
UNIT-V	रूपक एवं झूलणा साहित्य। 12 घंटे
Text Books	1. राजस्थानी साहित्य की विधाएँ और लेखन –डॉ हुकमसिंह भाटी, प्र. राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- IV	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9112T**
Title of the Course	काव्यशास्त्र
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को काव्यशास्त्र के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत काव्यशास्त्र का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। साहित्य में काव्यशास्त्र का महत्व समझ सकेगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	काव्य की परिभाषा, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन। 12 घंटे
UNIT -II	रस सम्प्रदाय, ध्वनि सम्प्रदाय। 12 घंटे
UNIT-III	अलंकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय। 12 घंटे
UNIT-IV	वक्रोक्ति सम्प्रदाय, औचित्य सम्प्रदाय। 12 घंटे
UNIT-V	पाश्चात्य सांहित्य सिद्वान्तों का सामान्य परिचय। 12 घंटे (अरस्तु का विरेचन एवं अनुकरण, क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद, कालरिज का कल्पना सिद्वांत)
Text Books	1. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. भागीरथ मिश्र, प्र. राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर 2.पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. तारकनाथ बाली, प्र. राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर 3.भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ.कृष्णदेव झारी, प्र. राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- IV	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9113T**
Title of the Course	प्राचीन गद्य साहित्य की विधाएं
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी गद्य साहित्य की विधाओं के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी गद्य साहित्य की विधाओं का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	ख्यात साहित्य। 12 घंटे
UNIT -II	बात साहित्य। 12 घंटे
UNIT-III	विगत साहित्य। 12 घंटे
UNIT-IV	वंशावली साहित्य। 12 घंटे
UNIT-V	हकीकत, याददास्त एवं बही साहित्य। 12 घंटे
Text Books	1. राजस्थानी साहित्य की विधाएँ और लेखन –डॉ हुकमसिंह भाटी, प्र. राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- IV	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9114T**
Title of the Course	राजस्थानी भाषा में निबन्ध
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी लेखन के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी। दिये गए दस निबंधों में से किन्ही दो विषय में निबंध लिखना होगा। शब्द सीमा 500 शब्द।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी लेखन का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। विधार्थी मातृभाषा के प्रति प्रेरित होगा।
SYLLABUS	
UNIT-I	राजस्थानी भाषा एवं बोलियां 12 घंटे
UNIT -II	राजस्थानी साहित्य 12 घंटे
UNIT-III	लोक साहित्य 12 घंटे
UNIT-IV	संस्कृति 12 घंटे
UNIT-V	साहित्यकार 12 घंटे
Text Books	1.राजस्थानी साहित्य की विधाएँ और लेखन –डॉ हुकमसिंह भाटी, प्र. राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर 2.राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति एक समग्र अवलोकन तृतीय संस्करण– हरदान हर्ष, प्र. आशीर्वाद पब्लिकेशन्स, जयपुर 3.राजस्थानी भाषा और साहित्य–डॉ.मोतीलाल मेनारिया, प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार,जोधपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- IV	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9115T**
Title of the Course	राजस्थानी भाषा का व्याकरण
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी व्याकरण के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर साहित्य को गहराई से समझ पाएगें।
SYLLABUS	
UNIT-I	राजस्थानी भाषा की वर्णमाला। 12 घंटे
UNIT –II	राजस्थानी भाषा की विशिष्ट ध्वनियां 12 घंटे
UNIT-III	राजस्थानी भाषा के संज्ञा एवं सर्वनाम रूप। 12 घंटे
UNIT-IV	राजस्थानी भाषा की व्याकरणिक विशेषताएं एवं क्रिया रुप 12 घंटे
UNIT-V	राजस्थानी भाषा के अव्यय एवं परसर्गों का विकास। 12 घंटे
Text Books	1.राजस्थानी व्याकरण–सीताराम लालस, प्र.चौपासनी शोध संस्थान, जोधपुर 2.राजस्थानी व्याकरण– बी.एल.माली'अशांत' प्र.राजस्थानी भवन फाउण्डेशन,जयपुर 3.राजस्थानी भाषा और साहित्य–डॉ.मोतीलाल मेनारिया, प्र.राजस्थानी ग्रन्थागार,जोधपुर
Suggested E-resources	ePustakalay

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- IV	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9116S**
Title of the Course	सर्वेक्षण एवं विस्तृत रपट
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	120 Hours (Practical)
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के केन्द्रों का सर्वेक्षण एवं रिपोर्ट के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी। प्रोजेक्ट वर्क के अन्तर्गत निम्नांकित विषयों से सम्बद्ध रिपोर्ट राइटिंग लगभग 50–60 पृष्ठों में तैयार करके जमा करना होगा, जिसका मूल्यांकन वि.वि. द्वारा कराया जायेगा ।
Learning outcomes	विद्यार्थी आधुनिक काव्य के अन्तर्गत राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के केन्द्रों का सर्वेक्षण एवं रिपोर्ट का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के केन्द्रों के महत्व की समझ विकसित कर राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण में कार्य करेगें। विधार्थी षोध की ओर प्रेरित होगें।
SYLLABUS	
	राजस्थानी भाषा एवं बोलियों के केन्द्र।
	राजस्थानी साहित्यिक संस्थाएं।
	राजस्थानी लोक कलाओं के केन्द्र, मेले।
	लोक देवियों एवं देवताओं के मन्दिर।
	राजस्थानी स्थापत्य कला पर आधारित महल,भवन, हवेलियां एवं छतरियां।
	Students are require to choose one topic and one study area.Each student will Prepare a report and submit it to their respective faculty or Head of the Department for evaluation.

सर्वेक्षण एवं विस्तृत रपट असाइन करने, मॉनिटर करने और मूल्यांकन करने के लिए दिशानिर्देशः

1. जो छात्र सर्वेक्षण एवं विस्तृत रपट का विकल्प चुनते है उन्हें एक सलाहकार नियुक्त किया जाएगा जो विभाग में नियमित शिक्षकों में से एक होगा। सत्र की शुरूआत के पहले सप्ताह में विभागीय समिति की बैठक में विषयों को मंजूरी दी जायेगी।
2. चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा शुरू होने से पहले सर्वेंक्षण एवं विस्तृत रिपोर्ट को विधिवत अग्रेषित कर विभागाध्यक्ष को जमा करना होगा।
3. इस चार क्रेडिट कोर्स के लिए 120 घंटे की शैक्षणिक गतिविधि होगी। मेंटर के साथ 20 घंटे संपर्क और 100 घंटे पहले से तैयारी होगी। संपर्क घंटे संकाय सदस्यों के कार्यभार का हिस्सा नहीं होगे।ये अध्ययन घंटे पीएचडी मार्गदर्शन में समर्पित कार्ये के समान होगें।
4. सर्वेक्षण एवं विस्तृत रपट पांचवे पेपर के बदले में होगा और 80 EOSE+20 आंतरिक मूल्यांकन कुल 100 अंको का होगा।
5. सेमेस्टर परीक्षा के अंत में सर्वेक्षण एवं विस्तृत रपट की जांच तीन परीक्षकोकं के एक बोर्ड द्वारा की जाएगी जिसमें एक बाहरी पीरक्षक , संरक्षक और विभाग प्रमुख शामिल होगे।

विभाग या उसके नामांकित व्यक्ति 80 अंकों का वितरण इस प्रकार होगा। 1.लिखित संर्वेक्षण एवं विस्तृत रिपोर्ट 30 अंक 2.स्पष्टता और प्रोजेक्ट आउटपुट–20 अंक 3. शक्ति

बिन्दु प्रस्तुति

15 अंक 4. मौखिक परीक्षा–15 अंक

6. आंतरिक मूल्यांकन अंक पर्यवेक्षण द्वारा प्रस्तुत किये जायेंगे। आंतरिक मूल्यांकन मेंटर को सौपी गई लघु मध्यावधि प्रगति रिपोर्ट के आधार पर किया जाना चाहिए।
7. सर्वेक्षण एवं विस्तृत रपट के मुख्य पृष्ट पर राजस्थानी चतुर्थ सेमेस्टर के पांचवे पेपर के बदले लिखा होना चाहिए।

सर्वेक्षण एवं विस्तृत रपट न्यूनतम 50–60 पृष्टों में होना चाहिए।

8. अनुसंधान पद्धति की आवश्यकता के अनुसार सर्वेक्षण एवं विस्तृत रपट तैयार होगी।

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- IV	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9117S**
Title of the Course	पाण्डुलिपि सम्पादन
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	120 Hours (Practical)
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में किसी महत्वपूर्ण पाण्डुलिपि के कम से कम 25 पृष्ठों का सम्पादन करके आवश्यक सम्पादकीय भूमिका के साथ प्रस्तुत करना होगा। (मूल पाठ एवं सम्पादित पाठ) जिसकी टंकित प्रतियाँ सत्रांत में विभागीय कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी। इसका मूल्याँकन निर्देशक द्वारा उपयुक्तता प्रमाण–पत्र देने के उपरान्त बाह्य परीक्षक द्वारा होगा।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी भाषा एवं साहित्य के ग्रंथों का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगें। विधार्थी संपादन के क्षेत्र में योग्यता प्राप्त करेगें।

SYLLABUS	
	राजस्थानी भाषा एवं बोलियों पर।
	राजस्थानी साहित्य पर।
	राजस्थानी साहित्यकार पर।
	लोक साहित्य पर।
	घटना विशेष,युद्ध,मन्दिर, भवन, हवेली, किले एवं गढ़ आदि पर।

पाण्डुलिपि सम्पादन असाइन करने, मॉनिटर करने और मूल्यांकन करने के लिए दिशानिर्देशः

1. जो छात्र पाण्डुलिपि सम्पादन का विकल्प चुनते है उन्हें एक सलाहकार नियुक्त किया जाएगा जो विभाग में नियमित शिक्षकों में से एक होगा। सत्र की शुरूआत के पहले सप्ताह में विभागीय समिति की बैठक में विषयों को मंजूरी दी जायेगी।
2. चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा शुरू होने से पहले पाण्डुलिपि सम्पादन को विधिवत अग्रेषित कर विभागाध्यक्ष को जमा करना होगा।
3. इस चार क्रेडिट कोर्स के लिए 120 घंटे की शैक्षणिक गतिविधि होगी। मेंटर के साथ 20 घंटे संपर्क और 100 घंटे पहले से तैयारी होगी। संपर्क घंटे संकाय सदस्यों के कार्यभार का हिस्सा नहीं होगे।ये अध्ययन घंटे पीएचडी मार्गदर्शन में समर्पित कार्ये के समान होगें।
4. सर्वेक्षण एवं विस्तृत रपट पांचवे पेपर के बदले में होगा और 80 EOSE+20 आंतरिक मूल्यांकन कुल 100 अंको का होगा।
5. सेमेस्टर परीक्षा के अंत में पाण्डुलिपि सम्पादन की जांच तीन परीक्षकोकं के एक बोर्ड द्वारा की जाएगी जिसमें एक बाहरी पीरक्षक , संरक्षक और विभाग प्रमुख शामिल होगे।

विभाग या उसके नामांकित व्यक्ति 80 अंकों का वितरण इस प्रकार होगा। 1. लिखित संर्वेक्षण एवं विस्तृत रिपोर्ट 30 अंक 2.स्पष्टता और प्रोजेक्ट आउटपुट–20 अंक 3. शक्ति
बिन्दु प्रस्तुति
15 अंक 4. मौखिक परीक्षा–15 अंक

6. आंतरिक मूल्यांकन अंक पर्यवेक्षण द्वारा प्रस्तुत किये जायेंगे। आंतरिक मूल्यांकन मेंटर को सौपी गई लघु मध्यावधि प्रगति रिपोर्ट के आधार पर किया जाना चाहिए।
7. पाण्डुलिपि सम्पादन के मुख्य पृष्ट पर राजस्थानी चतुर्थ सेमेस्टर के पांचवे पेपर के बदले लिखा होना चाहिए।

पाण्डुलिपि सम्पादन न्यूनतम 25 पृष्टों में होना चाहिए।

8. अनुसंधान पद्धति की आवश्यकता के अनुसार पाण्डुलिपि सम्पादन तैयार होगी।

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)

SEMESTER- IV

SUBJECT-RAJASTHANI

Code of the Course	**RAJ9118T**
Title of the Course	राजस्थानी वात साहित्य
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थीयों को राजस्थानी वात साहित्य की जानकारी प्रदान की जायेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र राजस्थानी वात साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेगें। राजस्थानी वात साहित्य के महत्व को गहराई से समझ पायेगें।

SYLLABUS

UNIT-I	वात का अर्थ एवं वात साहित्य का वर्गीकरण।	12 घंटे
UNIT –II	राजस्थानी वातों में कथा–तत्व।	12 घंटे
UNIT-III	राजस्थानी वात साहित्य में सामाजिक एवं सांस्कृतिक चित्रण।	12 घंटे
UNIT-IV	राजस्थानी वातों में भाषा–शैली एवं लोक जीवन।	12 घंटे
UNIT-V	राजस्थानी वात संग्रहः– सं.मनोहर शर्मा, श्री लाल नथमल जोशी।	12 घंटे
Suggested E-resources	ePustakalay	
Text Books	1.राजस्थानी वात साहित्य :– पूनम दहिया, प्रकाशक– राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर सं. 1969 2.राजस्थानी वात संग्रहः– सं. मनोहर शर्मा, श्री लाल नथमल जोशी, प्र. राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर	

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- IV	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9119S**
Title of the Course	राजस्थानी के प्रमुख रचनाकारों पर प्रोजेक्ट वर्क
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE) in Rajasthani
Delivery type of the Course	120 Hours (Practical)
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	राजस्थानी के प्रमुख रचनाकारों पर प्रोजेक्ट वर्क के अन्तर्गत राजस्थानी के प्रमुख रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृत्तित्व विषयक अवदान से सम्बद्ध प्रोजेक्ट वर्क लगभग 50–60 पृष्ठों में तैयार करके जमा करना होगा, जिसका मूल्यांकन वि.वि. द्वारा कराया जायेगा। इसमें राजस्थानी भाषा तथा साहित्य के किसी एक समर्थ रचनाकार के व्यक्तित्व एवं कृत्तित्व विषयक अवदान को लेकर प्रोजेक्ट वर्क किया जा सकेगा। इससे विधार्थी में राजस्थानी साहित्य के प्रति जागरुकता बढ़ेगी।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी भाषा एवं साहित्य साहित्य के क्षेत्र में अपने षोध की समझ को से समझ पाएगें। विधार्थी स्वयं रचनाकर्म की ओर प्रेरित होकर राजस्थानी साहित्य को समृद्ध करेगें।
SYLLABUS	
	प्रारम्भ काल
	पूर्व मध्यकाल
	उत्तर मध्यकाल
	आधुनिक गद्यकार
	आधुनिक पद्यकार एवं लोकसाहित्यकार।

	राजस्थानी के प्रमुख रचनाकारों पर प्रोजेक्ट वर्क असाइन करने, मॉनिटर करने और मूल्यांकन करने के लिए दिशानिर्देशः 1. जो छात्र राजस्थानी के प्रमुख रचनाकारों पर प्रोजेक्ट वर्क का विकल्प चुनते है उन्हें एक सलाहकार नियुक्त किया जाएगा जो विभाग में नियमित शिक्षकों में से एक होगा। सत्र की शुरूआत के पहले सप्ताह में विभागीय समिति की बैठक में विषयों को मंजूरी दी जायेगी। 2. चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा शुरू होने से पहले राजस्थानी के प्रमुख रचनाकारों पर प्रोजेक्ट वर्क को विधिवत अग्रेषित कर विभागाध्यक्ष को जमा करना होगा। 3. इस चार क्रेडिट कोर्स के लिए 120 घंटे की शैक्षणिक गतिविधि होगी। मेंटर के साथ 20 घंटे संपर्क और 100 घंटे पहले से तैयारी होगी। संपर्क घंटे संकाय सदस्यों के कार्यभार का हिस्सा नहीं होगे।ये अध्ययन घंटे पीएचडी मार्गदर्शन में समर्पित कार्ये के समान होगें। 4. सर्वेक्षण एवं विस्तृत रपट छठे पेपर के बदले में होगा और 80 EOSE+20 आंतरिक मूल्यांकन कुल 100 अंको का होगा। 5. सेमेस्टर परीक्षा के अंत में राजस्थानी के प्रमुख रचनाकारों पर प्रोजेक्ट वर्क की जांच तीन परीक्षकोकं के एक बोर्ड द्वारा की जाएगी जिसमें एक बाहरी पीरक्षक , संरक्षक और विभाग प्रमुख शामिल होगे। विभाग या उसके नामांकित व्यक्ति 80 अंकों का वितरण इस प्रकार होगा। 1. लिखित संर्वेक्षण एवं विस्तृत रिपोर्ट 30 अंक 2.स्पष्टता और प्रोजेक्ट आउटपुट–20 अंक 3. शक्ति बिन्दु प्रस्तुति 15 अंक 4. मौखिक परीक्षा–15 अंक 6. आंतरिक मूल्यांकन अंक पर्यवेक्षण द्वारा प्रस्तुत किये जायेंगे। आंतरिक मूल्यांकन मेंटर को सौपी गई लघु मध्यावधि प्रगति रिपोर्ट के आधार पर किया जाना चाहिए। 7. राजस्थानी के प्रमुख रचनाकारों पर प्रोजेक्ट वर्क के मुख्य पृष्ट पर राजस्थानी चतुर्थ सेमेस्टर के पांचवे पेपर के बदले लिखा होना चाहिए। राजस्थानी के प्रमुख रचनाकारों पर प्रोजेक्ट वर्क न्यूनतम 50–60 पृष्टों में होना चाहिए। 8. अनुसंधान पद्धति की आवश्यकता के अनुसार पाण्डुलिपि सम्पादन तैयार होगी।

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)	
SEMESTER- IV	
SUBJECT-RAJASTHANI	
Code of the Course	**RAJ9120S**
Title of the Course	लघु शोध प्रबन्ध
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5
Credit of the course	4 credits
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani
Delivery type of the Course	120 Hours (Practical)
Prerequisites	PG Diploma
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts
Objectives of the course	राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति से सम्बद्ध किसी एक विषय पर लघु षोध प्रबन्ध लगभग 70–80 पृष्ठों में तैयार करके जमा करना होगा, जिसका मूल्यांकन वि.वि. द्वारा कराया जायेगा।विधार्थी में षोधकार्य करने की पृष्टभूमि तैयार हो सकें।
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत राजस्थानी भाषा एवं साहित्य की विधाओं का ज्ञान प्राप्त कर विषय को गहराई से समझ पाएगे, एवं शोध कार्य की और प्रेरित होंगे।
SYLLABUS	
	राजस्थानी भाषा
	राजस्थानी साहित्य
	लोक साहित्य
	संस्कृति
	लोकोत्सव एवं लोक कलाएं

लघु शोध प्रबन्ध असाइन करने, मॉनिटर करने और मूल्यांकन करने के लिए दिशानिर्देशः

1. जो छात्र राजस्थानी के लघु शोध प्रबन्ध का विकल्प चुनते है उन्हें एक सलाहकार नियुक्त किया जाएगा जो विभाग में नियमित शिक्षकों में से एक होगा। सत्र की शुरूआत के पहले सप्ताह में विभागीय समिति की बैठक में विषयों को मंजूरी दी जायेगी।
2. चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा शुरू होने से पहले लघु शोध प्रबन्ध विधिवत अग्रेषित कर विभागाध्यक्ष को जमा करना होगा।
3. इस चार क्रेडिट कोर्स के लिए 120 घंटे की शैक्षणिक गतिविधि होगी। मेंटर के साथ 20 घंटे संपर्क और 100 घंटे पहले से तैयारी होगी। संपर्क घंटे संकाय सदस्यों के कार्यभार का हिस्सा नहीं होगे।ये अध्ययन घंटे पीएचडी मार्गदर्शन में समर्पित कार्ये के समान होगें।
4. लघु शोध प्रबन्ध छठे पेपर के बदले में होगा और 80 EOSE+20 आंतरिक मूल्यांकन कुल 100 अंको का होगा।
5. सेमेस्टर परीक्षा के अंत में लघु शोध प्रबन्ध की जांच तीन परीक्षको के एक बोर्ड द्वारा की जाएगी जिसमें एक बाहरी पीरक्षक , संरक्षक और विभाग प्रमुख शामिल होगे।

विभाग या उसके नामांकित व्यक्ति 80 अंकों का वितरण इस प्रकार होगा। 1.लिखित संर्वेक्षण एवं विस्तृत रिपोर्ट 30 अंक 2.स्पष्टता और प्रोजेक्ट आउटपुट–20 अंक 3. शक्ति

बिन्दु प्रस्तुति

15 अंक 4. मौखिक परीक्षा–15 अंक

6. आंतरिक मूल्यांकन अंक पर्यवेक्षण द्वारा प्रस्तुत किये जायेंगे। आंतरिक मूल्यांकन मेंटर को सौपी गई लघु मध्यावधि प्रगति रिपोर्ट के आधार पर किया जाना चाहिए।
7. लघु शोध प्रबन्ध के मुख्य पृष्ट पर राजस्थानी चतुर्थ सेमेस्टर के पांचवे पेपर के बदले लिखा होना चाहिए।

ग्रंथ की सूची को छोड़कर लघु शोध प्रबन्ध न्यूनतम 70–80 पृष्टों में होना चाहिए।

8. साहित्यिक चोरी की रिपोर्ट संलग्न की जानी चाहिए। अनुसंधान पद्धति की आवश्यकता के अनुसार लघु शोध प्रबन्ध तैयार होगी।

M.A. (TWO YEARS DEGREE PROGRAM)		
SEMESTER- IV		
SUBJECT-RAJASTHANI		
Code of the Course	**RAJ9121T**	
Title of the Course	राजस्थानी लोक संस्कृति एवं लोकदेवी–देवता	
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6.5	
Credit of the course	4 credits	
Type of the course	Discipline Specific Elective Course (DSE)in Rajasthani	
Delivery type of the Course	40 Lectures+ 10 Formative and Diagnostic Assessment) and 10 tutorials.	
Prerequisites	PG Diploma	
Co-requisites	Understanding of the Basic Rajasthani Sahitya concepts	
Objectives of the course	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थीयों को राजस्थान के लोकदेवी–देवताओं की जानकारी प्रदान की जायेगी।	
Learning outcomes	विद्यार्थी इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र राजस्थानी लोकदेवी–देवताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेगें। राजस्थानी लोक संस्कृति में लोकदेवी–देवताओं के महत्व को गहराई से समझ पायेगें।	
SYLLABUS		
UNIT-I	लोक संस्कृति एवं लोकदेवी–देवता।	12 घंटे
UNIT –II	लोकदेवता रामदेवजी, पाबूजी, गोगाजी।	12 घंटे
UNIT-III	लोकदेवता तेजाजी, देवनारायणजी, कल्लाजी चित्तौड़।	12 घंटे
UNIT-IV	लोकदेवी करनी माता, आई माता, जीण माता, आवरी माता।	12 घंटे
UNIT-V	लोकदेवी–देवता के मेले, गाथा, पवाड़ा, पड़, वात, रसावले, ब्यावले, गीत।	12 घंटे
Suggested E-resources	ePustakalay	
Text Books	1.राजस्थान की भक्ति परंपरा एवं संस्कृति– दिनेशचन्द्र शुक्ल, ओंकार नारायण सिंह, प्र. राजस्थानी ग्रन्थागार,जोधपुर, सं. 1992 2.राजस्थान के लोकदेवता एवं लोकसाहित्य–डॉ.पुष्पा भाटी,, प्र. राजस्थान साहित्य अकादमी उदपुर, सं.1991 3राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति एक समग्र अवलोकन तृतीय संस्करण लेखक हरदान हर्ष, प्र. आशीर्वाद पब्लिकेशन्स, जयपुर 4.राजस्थानी लोक साहित्य में लोक देवता पाबूजी– डॉ.महिपाल सिंह राठौड़, प्र. हिमांशु पब्लिकेशन्स, उदयपुर	